समाचार भारती में वित्तीय अनियमितताएं

1666. **श्री कृष्ण चन्द्र पाण्डे :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या समाचार भारती एक सहकारी न्यूज एजेंसी है और यदि हां, तो क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि इसके कार्य में कुछ वित्तीय अनियमितताएं पाई गई हैं;

(ख) यदि हां, तो मुख्य अनियमितताएं क्या हैं।

(ग) क्या अखिल भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ ने मांग की है कि उक्त एजेंसी द्वारा की गई अनियमितताओं की जांच करने के लिए एक जांच समिति की स्थापना की जानी चाहिये; और

(घ) यदि हां, तो इस बारे में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री धर्मवीर सिंह) : (क) से (घ). कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 617 के अर्थान्तर्गत समाचार भारती लिमिटेड एक सरकारी कम्पनी है, क्योंकि इसके अधिकांश शेयर (राज्य) सरकारों द्वारा लिये हुए हैं लेकिन यह एक स्वतन्त्र समाचार एजेंसी है और इसके संचालन पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। सरकार को ऐसे अभ्यावेदन, जिनमें भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ का अभ्यावेदन भी शामिल है, प्राप्त हुए हैं जिनमें वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है और इसके मामलों की जांच करने का निवेदन किया गया है। कम्पनी कार्य विभाग (कम्पनी विधि बोर्ड) ने हाल ही में कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 209 (4) के अन्तर्गत कम्पनी की लेखा पुस्तकों की जांच करवाई। कम्पनी अधिनियम के उल्लंघन के कुछ मामले तथा अन्य अनियमितताएं ध्यान में आई हैं और दिल्ली में कम्पनियों के रजिस्ट्रार को यह सलाह दी गई हैं कि वह कम्पनी के साथ इस मामले को उठाए।

प्रेस सूचना कार्यालय द्वारा समाचार पत्रों को वक्तव्यों, समाचारों आदि के अंग्रेजी तथा हिन्दी संस्करण दिया जाना

1667. **श्री कृष्ण चन्द्र पाण्डे :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या प्रेस सूचना कार्यालय द्वारा समाचारपत्रों को भेजे जाने वाले वक्तव्य, समाचार आदि 90 प्रतिशत अंग्रेजी में होते हैं और 10 प्रतिशत हिन्दी में होते हैं; और

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का उक्त सामग्री को हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों भाषाओं में एक साथ भेजने का प्रबन्ध करने का विचार है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री धर्मवीर सिंह): (क) जी, नहीं। अंग्रेजी में जारी किए जाने वाले सभी रिलीजों के 90 प्रतिशत रिलीज हिन्दी में भी जारी किए जाते है।

(ख) इन रिलीजों में से बहुत से रिलीज पहले ही साथ-साथ उपलब्ध किए जा रहे हैं और इनकी संख्या बढ़ाने के लिए निरन्तर प्रयत्न किये जा रहे है।